समय, शक्ति और धन का उपयोग शांति के लिए हो : नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति ओबासन्जो

ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स कम कल्चरल फेस्टिवल में विश्व भर से शरीक हुए लोग

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संगठन के शांतिवन परिसर में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में विदेश की हस्तियों ने भारत की प्राचीन परंपरा और आध्यात्मिक ज्ञान की महिमा सुनी और उसकी मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बाबा ओलुशेगुन ओबासन्जो ने ब्रह्माकुमारी संगठन को शांतिदूत बताया। वहीं विश्व के लिए शांति और खुशी की महती आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन जन जन को शांति का संदेश देने का कार्य कर रहा है। आज दुनिया में शांति और खुशी की अति आवश्यकता है। भगवान ने हर व्यक्ति के लिए शांति खुशी और आनंद की दुनिया बनाई थी, लेकिन हमने कर्मों की गति से अनभिज्ञ होने के कारण शांति खुशी और आनंद की अमूल्य सम्पदा गंवा दी।

मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि वाणी में सच्चाई हो। परमात्मा ने कहा है कि सदा खुश रहो, व्यर्थ को भूलो, अच्छी बातें याद कर अच्छा बनते चलो। ईश्वर एक है, और उसे शुद्ध संकल्प और शांत मन वाला ही पसंद है। यदि जीवन में शांति है तो वो स्वयं को भरपूर महसूस करेगा और संकटों से मुक्त रहेगा। कहते हैं खुशी जैसी खुराक नहीं।

मंचासीन हैं मध्य में राजयोगिनी दादी जानकी के साथ नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बाबा ओलुशेगुन ओबासन्जो, श्रीमती ओबासन्जो, केरी क्लेंसी, अशोक उपाध्याय,चीफ एडिटर,यू.एन.आई एवं यू.एन.वार्ता, राज दीदी,नेपाल काठमाण्डु तथा अन्य गणमान्य अतिथि।

संस्था में 20 वर्षों से चल रहा है रिसर्च प्रोजेक्ट

ब्रह्माकुमारी संस्थान के सोलर थर्मल इंडिया वन पावर प्रोजेक्ट के डायरेक्टर गोलो पिल्स ने कहा कि वे 1985 में पहली बार भारत आये और यहीं के होकर रह गये। आज हमने अपने मूल्यों और सिद्धान्तों को छोड़ दिया है। इस संस्था में यही सिखाया जाता है कि अपने जीवन मूल्य अर्थात् प्रेम, शांति, सुख को पुन: अपने जीवन में लायें।

न्यूज़ीलैण्ड स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. भावना ने कहा कि हमारा वास्तविक मूल्य ही शांति प्रेम और खुशी है। जहाँ ये तीनों ही है, वहाँ सुस्वास्थ्य भी है। आज अपनी शक्ति को व्यर्थ गंवाने के कारण हमारे स्वास्थ्य में भी गिरावट आई है।

पोलैण्ड की डायरेक्टर हालिना पर्डाला ने कहा कि भारत में आध्यात्मिकता की धरोहर है, जहाँ परमात्मा के द्वारा जीवन के मूल्य को पुन: स्थापित करने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हो रहा है। हम यहाँ के प्राचीन राजयोग को सीखने के लिए आते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की डायरेक्टर ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि परमात्मा द्वारा सतयुग की स्थापना का कार्य चल रहा है, जहाँ सारे विश्व में सुख शांति और सुस्वास्थ्य में सम्पन्नता होगी।

देशभक्ति गीत में बंधा समा

कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर से आये मो. याकूर ने देश भक्ति गीत गाया और पूरे डायमण्ड हॉल में तालियाँ गूंज उठीं। इंडोनेशिया के कलाकारों ने रामायण के हिरण के प्रसंग पर सुंदर नृत्य पेश कर सबका मन मोह लिया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय द्वारा शुरू किये गये योगा एंड वैल्यू एज्युकेशन के दो वर्षीय पाठ्यक्रम का नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति ने उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मल्टीमीडिया के चीफ ब्र.कु. करुणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि परमात्मा द्वारा सिखाये गये राजयोग द्वारा स्वयं में वास्तविक मूल्यों की स्थापना हेतु यहाँ कार्य किया जा रहा है। जिससे हर कोई अपने अंदर विराजित मूल्यों को जागृत कर पायेगा। इसी से ही सुख शांति और सुस्वास्थ्य जल्द ही सबको प्राप्त होगा। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शारदा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सम्मेलन के दौरान... मंच पर जीवंत हो उठा श्रीकृष्ण-राधा का निश्छल प्रेम

- **प्रेम के भावपूर्ण दृश्य को देख प्रतिभागियों की अखियों से बह निकली अश्रुधारा**
- **प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री ग्रेसी सिंह व उनकी टीम ने दी मनमोहक प्रस्तुति**
- **लाइट, साउंड, कैमरा और एक्शन के अद्भुत मेल के साथ अभिनय से दिखाई प्रतिभा**
- **45 मिनट की नृत्य नाटिका में श्रीकृष्ण के बाल्य रूप से लेकर सिंहासन तक के सफर को दिखाया**

शांतिवन। लाइट, साउंड, कैमरा और एक्शन का अद्भुत मेल जब डॉयमंड हॉल में मंच पर साकार हुआ तो कुछ पल के लिए ऐसा लगा कि जैसे स्वर्णिम दुनिया इस धरा पर ही आ गई हो और सतयुग के प्रथम राजकुमार श्रीकृष्ण-राधा की गोपियों के साथ रासलीला चल रही हो। कलाकारों के मर्मस्पर्शी अभिनय और वृंदावन में निश्छल प्रेम के भावपूर्ण दृश्यों को देख विश्वभर के 100 देशों से आए मेहमानों की आँखों से प्रेम के आँसू निकल आए। प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री ग्रेसी सिंह व उनकी टीम ने 45 मिनट की नृत्य नाटिका में श्रीकृष्ण के पूरे जीवन काल को समा दिया। मौका था ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन परिसर में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में सायं कल्चरल प्रोग्राम का। इस पूरी नृत्य नाटिका को बहुत ही सुंदर तरीके से सीनियर फिल्म कोरियाग्राफर कमलनाथ के मार्गदर्शन में मंचित किया गया।

नृत्य नाटिका आपके ही शब्दों में....

शंख ध्वनि के साथ नाटिका की शुरुआत होती है और विष्णु चतुर्भुज रूप में परमात्मा की भविष्यवाणी होती है.. सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज.... अर्थात् समस्त प्रकार के धर्मों का परित्याग करो और मेरी शरण में आ जाओ, मैं समस्त पापों से तुम्हारा उद्धार कर दूंगा, डरो मत। परमात्मा ने श्रीमद् भगवत् गीता में राजयोग की सहज विधि का ज्ञान दिया है।

कॉन्फ्रेन्स में स्वागत नृत्य पेश करते हुए विदेशी बालिकायें।

जिसमें आत्मा-परमात्मा के ज्ञान के साथ तीनों लोकों और आदि-मध्य-अंत के साथ चारो युगों का यथार्थ ज्ञान कराया है। समस्त मनुष्य आत्माओं को संबोधित करते हुए भगवान कहते हैं कि तुम सभी मेरी संतान हो और मैं तुम आत्माओं का अनादि पिता हूँ। भगवान अर्जुन से कहते हैं कि हे अर्जुन! अब तक बताई गई सभी विधियों का परित्याग करके तुम मेरी शरण में आ जाओ, क्योंकि भगवान स्वयं रक्षा का वचन दे रहे हैं। परमात्मा के इस संदेश के साथ नृत्य नाटिका का मंचन आगे बढ़ता है और नई दुनिया सतयुग का दृश्य दर्शाया जाता है। इसके बाद गुरुदेव श्रीकृष्ण और श्रीराधा के निश्छल प्रेम की गाथा - शेष पेज 3 पर...

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Mar 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।